K15 P0209

Reg. No. : .....

Name : .....

GOVT. BRENNEN COLLEGE LIBRARY THALASSERY

Third Semester M.A./M.Sc./M.Com. Degree (Reg./Sup./Imp.) Examination, November 2015

HINDI LANG. AND LITERATURE (2014 Admn.)

HIN3 E04 : Dalit Literature

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. **चार** प्रश्नों की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

1) उनके बर्तन में आदर के साथ खाना खाने, चारपाई पर बैठने का दुस्साहस किया था, जो उनकी नज़र में अपराध था।

2) अगर आप शिक्षित होकर अपने को सदियों की गजालत से लुटकारा पाना चाहते हैं तो भी 'जाति' आपकी अपमानित और प्रताडित होने का मौका देती रहेगी।

3) आई - बाबा तुम्हारी तारीफ करते है, यू. पी. वालों के प्रति जो उनकी धारणा यी, उससे अलग हो। तुम्हें अच्चा मानते हैं।

4) इस देश में करोडों की तादाद में अछूत कहे जानेवाले लोग, जो पशुओं की ज़िन्दगी जी रहे हैं, उनके लिए भी मैं कुछ करना चाहता हूँ।

5) आशा है इस देश में दलित-पीडित-उपेक्षित मानवों के कल्याण के लिए यह अपनी उच्य शिक्षा का उपयोग करेंगे।

6) भाई, अब भी वे मज़दूरों की चाल में एक तंग जगह में रहते हैं, फिर भी इतना अध्ययन हैं। समय बदल रहा है।

7) हम सत्याग्रह करने आए हैं। बदला लेने नहीं। दुनिया इन हिन्दुओं का अन्याय देख ले। **(4×6=24)**

II. किन्हीं **चार** प्रश्नों के समीक्षात्मक उत्तर लिखिए।

8) मराठी में दलित साहित्य।

9) रजनी तिलक की काव्य चेतना।

P.T.O.

10) 'शव-यात्रा' कहानी में व्यक्त दलित चेतना।

11) 'धर्म-परिवर्तन' नाटक का उद्देश्य।

12) 'जूठन' में चित्रित स्कूली जीवन।

13) दलित साहित्य का अनुभूति पक्ष। (4×5=20)

III. किन्हीं **तीन** प्रश्नों पर निबन्ध लिखिए।

14) 'जूठन' में अंकित दर्द और अपमान का चित्रण कीजिए।

15) 'अपने अपने पिंजरे' का आत्मकथन।

16) 'धर्म-परिवर्तन' नाटक की विशेषताएँ।

17) दलित साहित्य की प्रासंगिकता।

18) दलित कहानियों पर एक लेख लिखिए। (3×12=36)